टूटा गतिरोध, चलेंगी मिलें

जागरण ब्यूरो, लखनऊ : गन्ना पेराई सत्र शुरू करने के लिए प्रदेश सरकार चीनी मिलों को 879 करोड़ रुपये का पैकेज देने पर राजी हो गई है। मिलों व सरकार के बीच बैठक के बाद रविवार को इस समाधान पर सहमति बन गई और मिलों का संचालन शुरू करने को लेकर पिछले एक पखवाड़े से जारी गतिरोध समाप्त हो गया। मिलों ने पेराई शुरू करने का एलान कर दिया है। समझौते में मिलों को यह छूट भी मिली है कि वे किसानों को दो किस्तों में गन्ना मूल्य का भुगतान कर सकती हैं। बकायेदार मिलों की कुर्की प्रक्रिया को भी रोक लिया गया।

पत्रकार वार्ता में निजी मिलों और सरकार में समझौते की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव जावेद उस्मानी ने बताया कि समस्त मिलों ने तत्काल प्रभाव से पेराई शुरू करने की सहमति जताई है। समझौते को किसान हित में बताते हुए उन्होंने कहा कि मिलों के वित्तीय संकट को देखते हुए राहत देना जरूरी था। यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन के सचिव दीपक गुप्तारा ने कहा कि प्रदेश की 20 निजी मिलों में रविवार को ही बायलर पूजन हो गया।

» सरकार झुकी, मानी गईं मिलों की शर्तें

» 879 करोड़ के राहत पैकेज मिलने के बाद पेराई शुरू

मिलों को मिली प्रत्यक्ष राहत

मद	दर	अनुमानित लाभ
क्रय कर	2.00	160 करोड़
प्रवेश कर	2.73	219 करोड़
कमीशन	6.30	500 करोड़
कुल लाभ	11.03	879 करोड़

नोट : आकलन रुपये प्रति क्विंटल में

एक सप्ताह के भीतर सभी मिलों में पेराई शुरू हो जाएगी। राहत पैकेज के तहत मिलों को प्रवेश कर एवं क्रय कर के अलावा गन्ना समिति कमीशन न चुकाने की छूट मिली है। गन्ना समितियों का 6.29 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कमीशन सरकार अपने कोष से देगी। प्रदेश सरकार पर 879 करोड़ रुपये वित्तीय भार पड़ेगा। गन्ना मूल्य का दो किस्त में भुगतान करने की छूट के तहत मिलों को 260 रुपये तत्काल देना होगा। संबंधित खबरें पृष्ठ » 13

किसान राजी नहीं आंदोलन रहेगा जारी

मिल मालिकों व सरकार के समझौते को मानने से इन्कार करते हुए भाकियू प्रमुख नरेश टिकैत ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी की गई है। किसान को लागत में हो रहा 23 रुपये प्रति क्विंटल का घाटा पूरा करना तो दूर, पिछले पेराई सत्र के बकाया 2,350 करोड़ रुपये का भुगतान करने की कोई चिंता नहीं की। किसान 5 दिसंबर को चक्का जाम करके विरोध जताएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि धोखा किया गया है। किसान मोर्चा अध्यक्ष विजयपाल तोमर ने 5 को गन्ना आयुक्त कार्यालय के घेराव का एलान किया।

Dainik Jagaran
2/12/13

एक नजर

किसान ने लगाई गन्ने की फसल में आग

संवाद सहयोगी, मोदीनगर : सरकार और चीनी मिल के रुख से आहत गांव तलहैटा के एक किसान ने रविवार की सुबह 30 बीघा गन्ने की फसल में आग लगा दी। वह पूरी तरह से जल गई। इस घटना का पता लगने पर भाजपा नेताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ भड़ास निकाली। उनका कहना था कि गन्ने को लेकर सरकार का उदासीन रवैया अब किसानों के लिए अभिशाप बन गया है। रविवार को तलहैटा गांव निवासी किसान मनोज ने सुबह पांच बजे 30 बीघा ईख को आग के हवाले कर दिया। आसपास के लोगों ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक पूरी फसल जलकर राख हो गई। आक्रोशित किसान मनोज ने बताया कि शुगर मिल नही चल रही है। उस पर बैंक का एक लाख रुपये से अधिक का कर्जा है। वह अपने बच्चों की फीस तक जमा नहीं कर पाया है। परिवार का भरण पोषण तक मुश्किल हो गया है। कोल्हू वाले गन्ने को खरीदने में मनमानी कर रहे हैं। खेत खाली नहीं होने से गेहूं को बोने में समस्या आ रही है। ऐसी स्थिति में उसके पास गन्ने को जलाने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं था। इस घटना का पता लगते ही भाजपा नेता दयाल त्यागी मौके पर पहुंचे। पार्टी नेता आशु वर्मा का कहना है कि सरकार शुगर मिलों को चलाने में नाकाम रही है